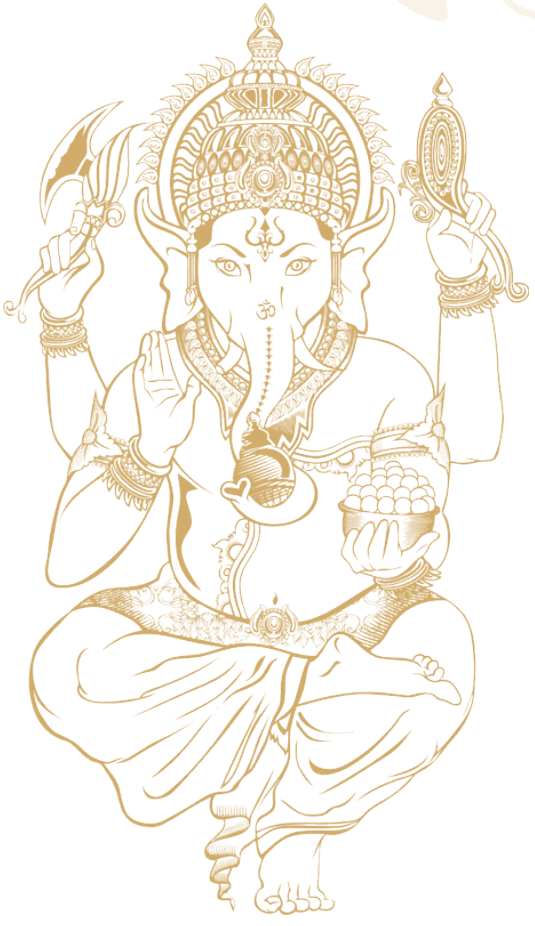

Mr.kamal Aadhikari

29 Oct 1991

06:45 AM

Tezpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121734002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/10/1991**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**06:45:00 घंटे**
इष्ट	03:07:40 घटी
स्थान	**Tezpur**
राज्य	Assam
देश	India

अक्षांश	26:38:00 उत्तर
रेखांश	92:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:41:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:26:16 घंटे
वेलान्तर	00:16:15 घंटे
साम्पातिक काल	09:53:46 घंटे
सूर्योदय	05:29:56 घंटे
सूर्यास्त	16:38:52 घंटे
दिनमान	11:08:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	11:22:09 तुला
लग्न के अंश	27:40:49 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	27:40:49	310:28:35	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	11:22:09	00:59:55	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			मिथु	25:00:15	14:10:44	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	तुला	14:35:36	00:41:07	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
बुध			तुला	27:00:59	01:28:37	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			सिंह	15:14:10	00:09:45	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	24:55:11	00:58:01	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
शनि			मक	06:55:23	00:02:22	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु			धनु	18:29:43	00:00:24	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	नीच राशि
केतु			मिथु	18:29:43	00:00:24	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	नीच राशि
हर्ष			धनु	16:44:57	00:01:57	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
नेप			धनु	20:32:14	00:01:04	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	25:56:26	00:02:21	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
दशम भाव			सिंह	02:27:28	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:50

लग्न-चलित

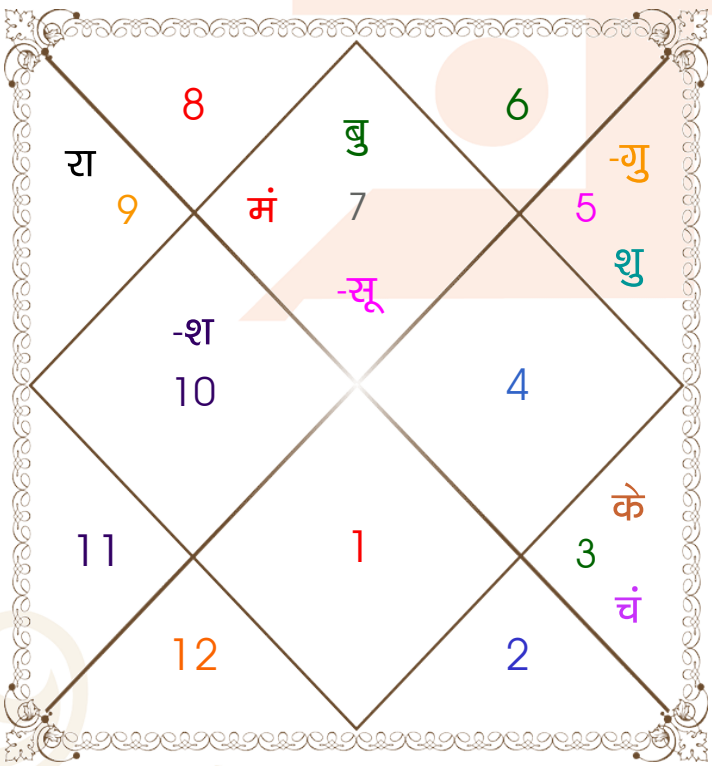

चन्द्र कुंडली

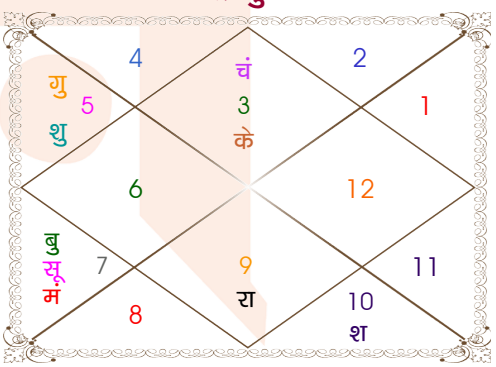

नवमांश कुंडली

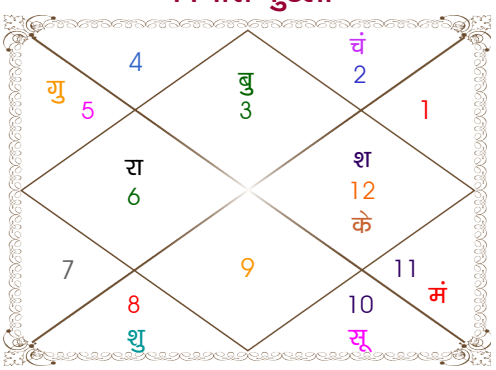

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 9 वर्ष 11 मास 28 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
29/10/1991		26/10/2001		26/10/2020		26/10/2037		26/10/2044	
26/10/2001		26/10/2020		26/10/2037		26/10/2044		26/10/2064	
	00/00/0000	शनि	29/10/2004	बुध	25/03/2023	केतु	25/03/2038	शुक्र	26/02/2048
	29/10/1991	बुध	09/07/2007	केतु	21/03/2024	शुक्र	25/05/2039	सूर्य	25/02/2049
बुध	02/10/1992	केतु	17/08/2008	शुक्र	20/01/2027	सूर्य	30/09/2039	चंद्र	27/10/2050
केतु	08/09/1993	शुक्र	18/10/2011	सूर्य	26/11/2027	चंद्र	30/04/2040	मंगल	27/12/2051
शुक्र	09/05/1996	सूर्य	29/09/2012	चंद्र	27/04/2029	मंगल	26/09/2040	राहु	27/12/2054
सूर्य	25/02/1997	चंद्र	30/04/2014	मंगल	24/04/2030	राहु	14/10/2041	गुरु	27/08/2057
चंद्र	27/06/1998	मंगल	09/06/2015	राहु	10/11/2032	गुरु	20/09/2042	शनि	26/10/2060
मंगल	03/06/1999	राहु	15/04/2018	गुरु	16/02/2035	शनि	30/10/2043	बुध	27/08/2063
राहु	26/10/2001	गुरु	26/10/2020	शनि	26/10/2037	बुध	26/10/2044	केतु	26/10/2064

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
26/10/2064		27/10/2070		26/10/2080		27/10/2087		27/10/2105	
27/10/2070		26/10/2080		27/10/2087		27/10/2105		00/00/0000	
सूर्य	13/02/2065	चंद्र	27/08/2071	मंगल	24/03/2081	राहु	09/07/2090	गुरु	16/12/2107
चंद्र	14/08/2065	मंगल	27/03/2072	राहु	12/04/2082	गुरु	02/12/2092	शनि	28/06/2110
मंगल	20/12/2065	राहु	26/09/2073	गुरु	19/03/2083	शनि	09/10/2095	बुध	30/10/2111
राहु	14/11/2066	गुरु	26/01/2075	शनि	27/04/2084	बुध	27/04/2098		00/00/0000
गुरु	02/09/2067	शनि	26/08/2076	बुध	24/04/2085	केतु	16/05/2099		00/00/0000
शनि	14/08/2068	बुध	26/01/2078	केतु	20/09/2085	शुक्र	16/05/2102		00/00/0000
बुध	21/06/2069	केतु	27/08/2078	शुक्र	20/11/2086	सूर्य	10/04/2103		00/00/0000
केतु	26/10/2069	शुक्र	27/04/2080	सूर्य	28/03/2087	चंद्र	09/10/2104		00/00/0000
शुक्र	27/10/2070	सूर्य	26/10/2080	चंद्र	27/10/2087	मंगल	27/10/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 0 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली हैं। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगे।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखते हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझते हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानते है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाते हों। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाता बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करते हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेते हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेते हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगे।

आप अपना परिवार जीवन सुखदपूर्ण व्यतीत करेंगे। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगे। आप निःसंदेह पूर्वक अपनी समझदार पत्नी एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगे। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकते है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगे। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती हैं। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगिनी का चुनाव कर सकते हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगे।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकते हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।